अध्याय 4: साङकेन

विषय-सूची 14 प्रश्नावली · 29 प्रश्न

प्रश्नावली 4.1	बातचीत के लिए	4 प्रश्न
प्रश्नावली 4.2	पाठ से — बहुविकल्पीय प्रश्न	4 प्रश्न
प्रश्नावली 4.3	पाठ से — लघु-उत्तरीय प्रश्न	4 प्रश्न
प्रश्नावली 4.4	पाठ से — भावार्थ पंक्तियाँ	3 प्रश्न
प्रश्नावली 4.5	भाषा की बात — समानार्थी शब्द	1 प्रश्न
प्रश्नावली 4.6	भाषा की बात — वाक्य पूरा कीजिए	1 प्रश्न
प्रश्नावली 4.7	भाषा की बात — वचन बदलो	1 प्रश्न
प्रश्नावली 4.8	भाषा की बात — उद्धरण चिह्न	1 प्रश्न
प्रश्नावली 4.9	भाषा की बात — वर्णमाला क्रम	1 प्रश्न
प्रश्नावली 4.10	पाठ से आगे	3 प्रश्न
प्रश्नावली 4.11	सोचिए और लिखिए	3 प्रश्न
प्रश्नावली 4.12	मेरी कलाकारी	1 प्रश्न
प्रश्नावली 4.13	पुस्तकालय से — अरुणाचल प्रदेश	1 प्रश्न
प्रश्नावली 4.14	बूझो पहेली	1 प्रश्न

प्रश्नावली 4.1 — बातचीत के लिए

प्रश्न 1

त्योहारों पर घरों में कई प्रकार की मिठाइयाँ और नमकीन बनाई जाती हैं। आपको कौन-सी मिठाइयाँ और नमकीन अच्छी लगती हैं? वे किस त्योहार पर बनाई जाती हैं?

उत्तर: नमूना उत्तर: मुझे गुजिया, लड्डू और नमकपारे बहुत पसंद हैं। ये होली के त्योहार पर हमारे घर में बनाई जाती हैं। सभी लोग मिलकर इनका आनंद उठाते हैं।

प्रश्न 2

आप कौन-से त्योहार मनाते हैं? उनमें और साङकेन में कौन-कौन सी समानताएँ हैं?

उत्तर: नमूना उत्तर: मैं होली, दीपावली और दशहरा मनाता/मनाती हूँ। साङकेन और होली में बहुत समानता है — दोनों में एक-दूसरे पर पानी डालते हैं, मिठाइयाँ बनाते हैं, रिश्तेदारों से मिलते हैं और नए साल का स्वागत करते हैं।

प्रश्न 3

हमारे देश में अनेक अवसरों पर शोभायात्राएँ (जुलूस) निकाली जाती हैं। आपने कौन-कौन सी शोभायात्राएँ देखी हैं? उनके बारे में अपने अनुभव बताइए।

उत्तर: नमूना उत्तर: मैंने रामनवमी और गणेश विसर्जन की शोभायात्राएँ देखी हैं। इनमें लोग ढोल-नगाड़े बजाते और भजन गाते हुए चलते हैं। इन यात्राओं में बहुत उत्साह और भक्ति का वातावरण होता है।

प्रश्न 4

आप नया वर्ष कब और कैसे मनाते हैं?

उत्तर: नमूना उत्तर: हम नया वर्ष होली के बाद मनाते हैं। उस दिन घर की सफाई होती है, नए कपड़े पहनते हैं, मिठाइयाँ बनती हैं और बड़ों से आशीर्वाद लेते हैं।

प्रश्नावली 4.2 — पाठ से — बहुविकल्पीय प्रश्न

प्रश्न 1

साङकेन क्यों मनाया जाता है? (क) दीपावली पर्व के कारण (ख) नव वर्ष प्रारंभ होने के उपलक्ष्य में (ग) नए मंदिर के उद्घाटन की प्रसन्नता में (घ) बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर

उत्तर: (ख) नव वर्ष प्रारंभ होने के उपलक्ष्य में — साङकेन अरुणाचल प्रदेश का त्योहार है जो नए वर्ष की शुरुआत पर मनाया जाता है।

प्रश्न 2

भगवान बुद्ध का मंदिर कहाँ बना हुआ था? (क) चिकित्सालय के पास (ख) सरोवर के किनारे (ग) नदी के किनारे (घ) समुद्र के किनारे

उत्तर: (ग) नदी के किनारे — गाँव के लोगों ने नदी के किनारे नया मंदिर बनाया था।

प्रश्न 3

लोग बहुत देर तक एक-दूसरे पर पानी डालते रहे क्योंकि — (क) उन्हें गरमी लग रही थी। (ख) वे स्नान कर रहे थे। (ग) वे गंदे हो गए थे। (घ) वे साङकेन मना रहे थे।

उत्तर: (घ) वे साङकेन मना रहे थे — साङकेन में पानी डालना उत्सव मनाने का तरीका है।

प्रश्न 4

'यहाँ के लोगों के मुखों पर सदैव मुस्कान बनी रहती है।' इस वाक्य का क्या अर्थ है? (क) यहाँ के लोग सदैव प्रसन्न रहते हैं। (ख) यहाँ के लोग सदैव प्रसन्न रहने का अभिनय करते हैं। (ग) यहाँ के लोगों को खेलना-कूदना अच्छा लगता है। (घ) यहाँ के लोगों को नाचना-गाना अच्छा लगता है।

उत्तर: (क) यहाँ के लोग सदैव प्रसन्न रहते हैं — चौखाम के लोग शांत वातावरण में खुशी से रहते हैं।

प्रश्नावली 4.3 — पाठ से — लघु-उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1

साङ्केन का त्योहार मनाते समय वल्लरी को होली की याद क्यों आई?

उत्तर: वल्लरी ने देखा कि लोग एक-दूसरे पर बाल्टी भर-भरकर पानी डाल रहे हैं और चेहरों पर चावल का आटा लगा रहे हैं। यह दृश्य होली जैसा लग रहा था, जहाँ रंगीन पानी और गुलाल लगाया जाता है।

प्रश्न 2

वल्लरी को चौखाम और दिल्ली में क्या अंतर लगा?

उत्तर: दिल्ली में भीड़-भाड़, शोर-शराबा और लंबी कतारें थीं, जबकि चौखाम का वातावरण खुला, शांत और हरियाली से भरा था। वहाँ के लोगों के चेहरों पर हमेशा मुस्कान रहती थी।

प्रश्न 3

मंदिर की सजावट कैसे की गई थी?

उत्तर: मंदिर की जालीदार दीवारें बाँस और बाँस की खपच्चियों से बनाई गई थीं। बीच-बीच में पेड़ों की हरी-भरी टहनियाँ लगाई गई थीं और उन पर रंग-बिरंगे फूल खोंसकर सजाए गए थे।

प्रश्न 4

आपको कौन-कौन आशीर्वाद देते हैं? वे क्या आशीर्वाद देते हैं?

उत्तर: नमूना उत्तर: मुझे माता-पिता, दादा-दादी, ताऊ-ताई और गुरुजन आशीर्वाद देते हैं। वे कहते हैं — 'खुश रहो', 'लंबी उम्र पाओ', 'खूब पढ़ो और आगे बढ़ो।'

प्रश्नावली 4.4 — पाठ से — भावार्थ पंक्तियाँ

प्रश्न 1

भावार्थ: 'मंदिर सुंदर सजा था।' — पाठ की संबंधित पंक्तियाँ लिखिए।

उत्तर: मंदिर की जालीदार दीवारें बाँस और बाँस की खपच्चियों से बनी हुई थीं। बीच-बीच में पेड़ों की हरी-भरी टहनियाँ लगाई गई थीं और खोंस-खोंसकर उन पर रंग-बिरंगे फूल सजा दिए गए थे।

प्रश्न 2

भावार्थ: 'ऐसा लगता है कि लोग होली का त्योहार मना रहे हैं।' — पाठ की संबंधित पंक्तियाँ लिखिए।

उत्तर: वल्लरी को होली की याद आ गई। उसने चाऊतान से कहा, "चाऊतान भाई, लगता है कि लोग होली का त्योहार मना रहे हैं।"

प्रश्न 3

भावार्थ: 'त्योहारों में सब एक-दूसरे से मिलते-जुलते हैं।' — पाठ की संबंधित पंक्तियाँ लिखिए।

उत्तर: चाऊतान ने बताया, "आज शाम को हम लोग भी अपने ताऊजी के यहाँ जाएँगे। कल मेरी बुआजी और मेरे फूफाजी भी हमारे यहाँ आएँगे।"

प्रश्नावली 4.5 — भाषा की बात — समानार्थी शब्द

प्रश्न 1

रेखांकित शब्दों के समानार्थी शब्दों का प्रयोग करके वाक्य पुनः लिखिए: (क) मित्र / घर (ख) गाँव / नदी / किनारे (ग) पेड़ों (घ) त्योहार

उत्तर: (क) एक दिन वल्लरी को उसके साथी चाऊतान ने अपने भवन बुलाया। (ख) हमारे ग्राम के लोगों ने सरिता के तट एक मंदिर बनाया है। (ग) बीच-बीच में वृक्षों की हरी-भरी शाखाएँ सजाई गई थीं। (घ) आज हमारे यहाँ साङकेन का पर्व है।

प्रश्नावली 4.6 — भाषा की बात — वाक्य पूरा कीजिए

प्रश्न 1

उदाहरण के अनुसार 'जहाँ देखो... ही ...' का प्रयोग करके वाक्य पूरे कीजिए: (ख) मैं समुद्र के किनारे गई, जहाँ देखो ... पानी! (ग) जहाँ देखो नारियल के पेड़ ...! (घ) मुंबई में जिधर देखो ...! (ङ) ... की दुकान में जहाँ देखो ...!

उत्तर: (ख) मैं समुद्र के किनारे गई, जहाँ देखो पानी ही पानी! (ग) जहाँ देखो नारियल के पेड़ ही पेड़! (घ) मुंबई में जिधर देखो भीड़ ही भीड़! (ङ) मिठाइयों की दुकान में जहाँ देखो मिठाइयाँ ही मिठाइयाँ!

प्रश्नावली 4.7 — भाषा की बात — वचन बदलो

प्रश्न 1

रेखांकित शब्दों के वचन बदलकर वाक्य पूरा कीजिए: (ख) खपच्चियाँ → (ग) नदी → (घ) मिठाइयाँ → (ङ) बाल्टियाँ →

उत्तर: (ख) खपच्ची (ग) नदियाँ (घ) मिठाई (ङ) बाल्टी

प्रश्नावली 4.8 — भाषा की बात — उद्धरण चिह्न

प्रश्न 1

पाठ में से उद्धरण चिह्नों वाले चार वाक्य खोजकर लिखिए।

उत्तर: 1. चाऊतान ने बताया, "अभी एक-दो दिन पहले ही हमारे गाँव के लोगों ने नदी के किनारे एक मंदिर बनाया है।" 2. वल्लरी ने चाऊतान से कहा, "चाऊतान भाई, लगता है कि लोग होली का त्योहार मना रहे हैं।" 3. वल्लरी ने बताया, "हमारे यहाँ भी होली से ही नया वर्ष आरंभ होता है।" 4. चाऊतान के पिताजी ने बताया, "गाँव के लोग फिर बौद्ध-विहार जाएँगे और भिक्षुओं को बार-बार दंडवत प्रणाम करेंगे।"

प्रश्नावली 4.9 — भाषा की बात — वर्णमाला क्रम

प्रश्न 1

इन शब्दों को हिंदी वर्णमाला के क्रम में लिखिए: करेला, समय, मठ, तट, नमकीन, जल, वन, मटका

उत्तर: करेला, जल, तट, नमकीन, मटका, मठ, वन, समय

प्रश्नावली 4.10 — पाठ से आगे

प्रश्न 1

आपके घर में त्योहारों के लिए कौन-कौन सी तैयारियाँ की जाती हैं?

उत्तर: नमूना उत्तर: हमारे घर में त्योहारों से पहले घर की सफाई होती है, रंग-बिरंगी झालरों और फूलों से सजावट की जाती है, मिठाइयाँ और नमकीन बनाए जाते हैं, नए कपड़े खरीदे जाते हैं और मेहमानों के स्वागत की तैयारी होती है।

प्रश्न 2

आपके घर पर त्योहारों के समय कौन-कौन, क्या-क्या काम करता है? सूची बनाइए।

उत्तर: नमूना उत्तर: पापा — बाज़ार से पूजा और सजावट का सामान लाते हैं। मम्मी — मिठाइयाँ और पकवान बनाती हैं। दादी — पूजा की थाली सजाती हैं। मैं — घर की सफाई और सजावट में मदद करता/करती हूँ।

प्रश्न 3

हमारे देश में लोग अनेक प्रकार से अभिवादन करते हैं। अपने राज्य और अन्य राज्यों के अभिवादन शब्दों की सूची बनाइए।

उत्तर: नमूना उत्तर: दिल्ली/उत्तर प्रदेश — नमस्ते/राम-राम, पंजाब — सत श्री अकाल, गुजरात — जय श्री कृष्ण, महाराष्ट्र — नमस्कार, तमिलनाडु — वणक्कम, केरल — नमस्कारम।

प्रश्नावली 4.11 — सोचिए और लिखिए

प्रश्न 1

इस पाठ में आपको सबसे अच्छा क्या लगा और क्यों?

उत्तर: नमूना उत्तर: मुझे साङ्केन का त्योहार सबसे अच्छा लगा, क्योंकि इसमें सभी लोग मिल-जुलकर नाचते-गाते हैं और एक-दूसरे पर पानी डालकर खुशी मनाते हैं। यह त्योहार हमें बताता है कि भारत में अनेक सुंदर और अनोखी परंपराएँ हैं।

प्रश्न 2

दिए गए उदाहरण को देखकर आगे की कड़ी बनाइए: दूध → ..., गन्ना → ..., चना → ..., चावल → ...

उत्तर: दूध → दही, मक्खन, लस्सी। गन्ना → रस, गुड़, शक्कर। चना → बेसन, पकौड़े, लड्डू। चावल → खीर, पुलाव, खिचड़ी।

प्रश्न 3

अपने मित्र को साङ्केन के बारे में पूरे दिन का आँखों-देखा वर्णन लिखिए। (संकेत बिंदु: स्वागत, पकवान, शोभायात्रा, मूर्तियाँ, मंदिर, पानी डालना, आशीर्वाद)

उत्तर: नमूना उत्तर: आज मैं पिताजी के साथ चाऊतान के घर गया। वहाँ हमारा गर्मजोशी से स्वागत हुआ और स्वादिष्ट पकवान खाए। तभी सड़क पर शोभायात्रा निकली — पालकियों में भगवान बुद्ध की मूर्तियाँ थीं, लोग नाचते-गाते चल रहे थे। मंदिर पहुँचे तो बाँस और फूलों से सजा देखकर मन प्रसन्न हो गया। बौद्ध भिक्षुओं ने मंत्र पढ़कर मूर्तियाँ स्थापित कीं। फिर सब एक-दूसरे पर पानी डालने लगे — मुझे होली की याद आ गई! अंत में भिक्षुओं से आशीर्वाद लिया। यह दिन जीवनभर याद रहेगा।

प्रश्नावली 4.12 — मेरी कलाकारी

प्रश्न 1

सूखे पत्तों से बने प्राणियों के चित्र पहचानिए और किसी एक प्राणी की आकृति पत्तों से बनाकर चिपकाइए।

उत्तर: छात्र स्वयं करें — सूखे पत्ते इकट्ठा करें, किसी पक्षी या जानवर की आकृति बनाएँ और उसे कागज़ पर चिपकाएँ।

प्रश्नावली 4.13 — पुस्तकालय से — अरुणाचल प्रदेश

प्रश्न 1

अरुणाचल प्रदेश के बारे में जानकारी जुटाइए: राजधानी, पड़ोसी राज्य, भाषा, मुख्य फसल, त्योहार, नृत्य, परिधान।

उत्तर: राजधानी — ईटानगर। पड़ोसी राज्य — असम, नागालैंड। भाषाएँ — हिंदी, अंग्रेज़ी और न्यिशी, आदि, मिश्मी जैसी आदिवासी भाषाएँ। मुख्य फसलें — धान, मक्का, बाजरा। त्योहार — साङ्केन, लोसार, सोलुंग, न्योकुम। नृत्य — पोपिर, बुली, पोनुंग। परिधान — रंग-बिरंगी परंपरागत पोशाकें, मोतियों और चाँदी के गहने।

प्रश्नावली 4.14 — बूझो पहेली

प्रश्न 1

दूधवाले के पास 4 लीटर और 3 लीटर के दो बर्तन हैं। वह ज्योति को 5 लीटर दूध कैसे देगा?

उत्तर: एक तरीका: पहले 3 लीटर भरो, उसे 4 लीटर में डालो। फिर 3 लीटर दोबारा भरो, उसे 4 लीटर में तब तक डालो जब तक वह भर न जाए (1 लीटर बचेगा)। अब 4 लीटर खाली करो और उसमें 3 लीटर का बचा 1 लीटर डालो। फिर 3 लीटर भरकर डालो — 1 + 4 = 5 लीटर हो जाएगा।